पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा – ग्यारहवी

विषय – भारतीय संगीत (गायन/वादन) (161)

पूर्णांक – 100

सैद्धांतिक – 50
प्रायोगिक – 50

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
1.	**संगीत की परिभाषा –** संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (चल व अचल और शुद्ध एवं विकृत) सप्तक, थाट, राग, अंलकार, आरोह, अवरोह, पकड़, वादी संवादी, विवादी, अनुवादी, आश्रय राग।	05	14
2.	**ताल परिभाषा –** ताल, मात्रा, लय व उसके प्रकार, ठाह, सम, खाली, भरी।	05	10
3.	**संगीत पद्धती –** (अ) भारत में प्रचलित 02 संगीत पद्धतियों का सामान्य ज्ञान। (ब) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धती के 10 थाटों के नाम व स्वर। (स) रागों के लक्षण और जाति (संपूर्ण षाड़व औड़व)।	08	15
4.	**राग परिचय –** निम्न रागों का दोहा सहित परिचय – यमन, बिलावल, खमाज, काफी, भैरव।	05	10
5.	**गायन शैलीयाँ (टिप्पणी) –** निम्न गायन शैलियों का संक्षिप्त परिचय – सरगम गीत (स्वर मालिका), लक्षण गीत, ख्याल, भजन, लोकगीत।	05	15
6.	**जीवनी –** संगीतज्ञों की जीवनी–पं. विष्णु भातखण्ड़े, पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर, तानसेन।	05	15
7.	**ताल परिचय (स्वरलिपी/तालिपी)** (अ) रागो के मध्यलय की बंदिश स्वरलिपी लिखना। (ब) निम्न तालों का वर्णन बोल और चिन्ह सहित – दादर, कहरवा, झपताल, त्रिताल, एकताल।	05	16
8.	संगीत से संबंधित निबंध/इतिहास	12	25
	योग –	50	120
	प्रायोगिक –	50	100
	महायोग –	100	220

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – भारतीय संगीत (गायन/वादन) (161)

कुल अंक – 50 समय – 3:00 घण्टे

"A"- शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

क्र.	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 05	कुल अंक	% अधिभार
1.	ज्ञानात्मक (**Knowledge**) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	10	01	-	-	-	12	24%
2.	अवबोधात्मक (**Understanding**) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	04	01	01	01	-	13	26%
3.	अनुप्रयोगात्मक (**Application**) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	02	01	01	-	01	12	24%
4.	विश्लेषणात्मक (**Analysis**) [**HOTS**] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	02	-	-	01	01	11	22%
5.	मूल्यांकन (**Evaluation**) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	01	-	-	-	-	01	2%
6.	रचनात्मक (**Creation/Creativity**) सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना/संगठित करना	01	-	-	-	-	01	2%
	योग	1(20) =20	2(03) =06	3(02) =06	4(02) =08	5(02) =10	**50**	**100%**

"B"- प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA)	**01**	1(20)	**20**
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	**02**	**03**	**06**
3.	लघुउत्तरीय (SA-II)	**03**	**02**	**06**
4.	दीर्घउत्तरीय (LA-I)	**04**	**02**	**08**
5.	दीर्घउत्तरीय (LA-II)	**05**	**02**	**10**
		कुल योग	**9+1(20) =10**	**50**

"C"-कठिनाई अनुसार अंक विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	15	30%
2.	औसत (AV)	25	50%
3.	कठिन (D)	10	20%
	योग	**50**	**100%**

परिशिष्ट – "C"

ब्लूप्रिंट

कक्षा – ग्यारहवी

विषय – भारतीय संगीत (गायन/वादन) (161)

कुल अंक – 50 समय – 3:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु ↓	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA-I)	दीर्घ उत्तरीय (LA-II)	कुल अंक	प्रश्नों की संख्या
		अंक	1	2	3	4	5		
1.	संगीत की परिभाषा – संगीत, नाद, श्रुति, स्वर (चल व अचल और शुद्ध एवं विकृत) सप्तक, थाट, राग, अंलकार, आरोह, अवरोह, पकड़, वादी संवादी, विवादी, अनुवादी, आश्रय राग।	05	02	-	01	-	-	05	1(2)
2.	ताल परिभाषा – ताल, मात्रा, लय व उसके प्रकार, ठाह, सम, खाली, भरी।	05	01	-	-	01*	-	05	1(1)
3.	संगीत पद्धती – (अ) भारत में प्रचलित 02 संगीत पद्धतियों का सामान्य ज्ञान। (ब) हिन्दुस्तानी संगीत पद्धती के 10 थाटों के नाम व स्वर। (स) रागों के लक्षण और जाति (संपूर्ण षाड़व औड़व)।	08	04	02	-	-	-	08	2(4)
4.	राग परिचय – निम्न रागों का दोहा सहित परिचय – यमन, विलावल, खमाज, काफी, भैरव।	05	02	-	01	-	-	05	1(2)
5.	गायन शैलीयाँ (टिप्पणी) – निम्न गायन शैलियों का संक्षिप्त परिचय – सरगम गीत (स्वर मालिका), लक्षण गीत, ख्याल, भजन, लोकगीत।	05	01	-	-	01*	-	05	1(1)
6.	जीवनी – संगीतज्ञों की जीवनी–पं. विष्णु भातखण्डे, पं. विष्णु दिगंवर पलुस्कर, तानसेन।	05	-	-	-	-	01*	05	1(0)
7.	ताल परिचय (स्वरलिपी/तालिपी) (अ) रागो के मध्यलय की बंदिश स्वरलिपी लिखना। (ब) निम्न तालों का वर्णन बोल और चिन्ह सहित – दादर, कहरवा, झपताल, त्रिताल, एकताल।	05	03	01	-	-	-	05	1(3)
8.	संगीत से संबंधित निबंध/इतिहास	12	07	-	-	-	01*	12	1(7)
	योग	**50**	**1(20) =20**	**2(03) =06**	**3(02) =06**	**4(2) =08**	**5(02) =10**	**50**	**9+1 (20) = 10**

नोटः–

01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 10 अतिलघुउत्तीय (VSA) प्रश्न होंगे।
02. * तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिए जायेंगे।
03. योग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

परिशिष्ट – "C-1"

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – भारतीय संगीत (गायन/वादन) (161)

कुल अंक – 50 समय – 3:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–

(i) "खण्ड–अ" में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

(ii) खण्ड–"ब" में 10 अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न/सही जोडी, रिक्त स्थान, सही विकल्प, एक वाक्य में उत्तर, सत्य, असत्य संबंधी वाले प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0–04 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-I) होगें, प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है।

3. प्रश्न क्र0–05 एवं प्रश्न क्र0–06 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-II) होगें, प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है।

4. प्रश्न क्र0–07 एवं प्रश्न क्र0–08 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है।

5. प्रश्न क्र0–09 एवं प्रश्न क्र0–10 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-II) होगें, प्रत्येक में 05 अंक निर्धारित है।

परिशिष्ट – "A-1"

प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

कक्षा – 11 वीं

विषय – भारतीय संगीत (गायन/वादन) (161)

कुल अंक – **50** समय – 3:00 घंटे

मूल्यांकन योजना

स.क्र.	विषयवस्तु	आबंटित अंक
01	प्रश्न 20 अलंकारों का अभ्यास	10
02	सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग के आरोह, अवरोह, पकड़ सरगम गीत, लक्षण गीत और द्रुत ख्याल किसी एक राग में विलंबित ख्याल (सिर्फ बंदिश)।	20
03	राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, एक भजन और एक प्रादेशिक लोक गीत।	10
04	पुर्नसंचारण ध्वनि से स्वर एवं राग पहचानना।	05
05	पाठ्यक्रम के सभी तालों की ताली द्वारा प्रस्तुति –(तीनताल, एकताल, झपताल, कहरवा, दादरा)	05
	Total	**50**

नोट –

01. विद्यार्थी को तानपुरा या हारमोनियम पर स्वर लगाकर तबला संगत के साथ गाना होगा।
02. तंत्र वाद्य के विद्यार्थी विलंबित व द्रुत ख्याल के स्थान पर मसीतखानी और रजाखानी गत समझे।

परिशिष्ट – "A-1"

प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

कक्षा – 11 वीं

विषय – भारतीय संगीत (तबला अथवा पखावज) (161)

कुल अंक – **50** समय – 3:00 घंटे

मूल्यांकन योजना

स.क्र.	विषयवस्तु	आबंटित अंक
01	तबला अथवा पखावज के संपूर्ण अंगों के नाम बताना।	05
02	तबला अथवा पखावज के वर्णो (ताल अक्षरों) को बजाकर बताना।	05
03	निम्न तालों का हाथ से ताली द्वारा पढन्त एवं ठेका बजाना – तीनताल, चौताल कहरवा, तीव्रा।	10
04	तीन ताल में कोई दो सरल कायदे पलदो सहित अथवा चौताल में परन बजाना। तीनताल अथवा चौताल में टुकड़ों एवं मुखड़ों बजाकर बताना।	20
05	तबला अथवा पखावज को लहरा (नगमा) के साथ बजाना।	10
	Total	**50**

नोट –

01. विद्यार्थी को तानपुरा या हारमोनियम पर स्वर लगाकर तबला संगत के साथ गाना होगा।
02. तंत्र वाद्य के विद्यार्थी विलंबित व द्रुत ख्याल के स्थान पर मसीतखानी और रजाखानी गत समझे।

परिशिष्ट "A"

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – भारतीय संगीत (तबला अथवा पखावज) (161)

पूर्णांक – 100

सैद्धांतिक – 50
प्रायोगिक – 50

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
1.	वाद्य वर्णन – अपने वाद्य का संपूर्ण अंग तबला, पखावज का सचित्र वर्णन।	16	30
2.	परिभाषाएँ – (अ) ताल, मात्रा, सम, खाली, लय–द्रुत, मध्य, विलंबित लय, बोल, पेशकार, कायदा, पलटा, मुखड़ा। (ब) ताल अक्षरों, पटाक्षरों की परिभाषा तथा प्रत्येक ताल, अक्षर से संबंधित काल का मापदण्ड।	08	25
3.	निम्नलिखित तालों का उनके ठेकों सहित साथ ज्ञान/दुगुन दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल, चौताल, त्रिताल, रूपक व आड़ा, चौताल।	14	25
4.	ताल लिपि/स्वर लिपि – दिये तालों की मात्रा, बोल एवं ठेका, ताल लिपी में लिखना– झपताल, एकताल, चौताल, त्रिताल।	07	15
5.	जीवनी– किसी प्रसिद्ध तबला अथवा पखावज वादक की जीवनी जैसे कुदौसिंह, अहमद जान थिरकवा।	05	25
	योग –	50	120
	प्रायोगिक –	50	100
	महायोग –	100	220

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – भारतीय संगीत (तबला अथवा पखावज) (161)

कुल अंक – 50 समय – 3:00 घण्टे

"A"- शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

क्र.	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 05	कुल अंक	% अधिभार
1.	ज्ञानात्मक (**Knowledge**) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	10	01	-	-	-	12	24%
2.	अवबोधात्मक (**Understanding**) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	04	01	01	01	-	13	26%
3.	अनुप्रयोगात्मक (**Application**) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	02	01	01	-	01	12	24%
4.	विश्लेषणात्मक (**Analysis**) [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	02	-	-	01	01	11	22%
5.	मूल्यांकन (**Evaluation**) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	01	-	-	-	-	01	2%
6.	रचनात्मक (**Creation/Creativity**) सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना/संगठित करना	01	-	-	-	-	01	2%
	योग	1(20) =20	2(03) =06	3(02) =06	4(02) =08	5(02) =10	**50**	**100%**

"B"- प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA)	**01**	1(20)	**20**
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	**02**	**03**	**06**
3.	लघुउत्तरीय (SA-II)	**03**	**02**	**06**
4.	दीर्घउत्तरीय (LA-I)	**04**	**02**	**08**
5.	दीर्घउत्तरीय (LA-II)	**05**	**02**	**10**
		कुल योग	**9+1(20) =10**	**50**

"C"-कठिनाई अनुसार अंक विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	15	30%
2.	औसत (AV)	25	50%
3.	कठिन (D)	10	20%
	योग	50	100%

परिशिष्ट – "C"

ब्लूप्रिंट
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – भारतीय संगीत (तबला अथवा पखावज) (161)

कुल अंक – 50 समय – 3:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु ↓	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA-I)	दीर्घ उत्तरीय (LA-II)	कुल अंक	प्रश्नों की संख्या
		अंक	1	2	3	4	5		
1.	वाद्य वर्णन – अपने वाद्य का संपूर्ण अंग तबला, पखावज का सचित्र वर्णन।	16	**08**	-	**01**	-	**01***	16	**2(08)**
2.	परिभाषाएँ – (अ) ताल, मात्रा, सम, खाली, लय–द्रुत, मध्य, विलंबित लय, बोल, पेशकार, कायदा, पलटा, मुखड़ा। (ब) ताल अक्षरों, पटाक्षरों की परिभाषा तथा प्रत्येक ताल, अक्षर से संबंधित काल का मापदण्ड।	08	**03**	**01**	**01**	-	-	08	**2(03)**
3.	निम्नलिखित तालों का उनके ठेकों सहित साथ ज्ञान/दुगुन दादरा, कहरवा, झपताल, एकताल, चौताल, त्रिताल, रूपक व आड़ा, चौताल।	14	**05**	-	-	**01***	**01***	14	**2(05)**
4.	ताल लिपि/स्वर लिपि – दिये तालों की मात्रा, बोल एवं ठेका, ताल लिपी में लिखना– झपताल, एकताल, चौताल, त्रिताल।	07	**03**	**02**	-	-	-	07	**2(03)**
5.	जीवनी– किसी प्रसिद्ध तबला अथवा पखावज वादक की जीवनी जैसे कुदौसिंह, अहमद जान थिरकवा।	05	**01**	-	-	**01***	-	05	**1(01)**
	योग	**50**	**1(20) =20**	**2(03) =06**	**3(02) =06**	**4(2) =08**	**5(02) =10**	**50**	**9+1(20) = 10**

नोटः–

01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 10 अतिलघुउत्तीय (VSA) प्रश्न होंगे।
02. * तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिए जायेंगे।
03. योग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा – ग्यारहवी
विषय – भारतीय संगीत (तबला अथवा पखावज) (161)

कुल अंक – 50 समय – 3:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–

(i) "खण्ड–अ" में 10 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

(ii) खण्ड–"ब" में 10 अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न/सही जोडी, रिक्त स्थान, सही विकल्प, एक वाक्य में उत्तर, सत्य, असत्य संबंधी वाले प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।

2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0–04 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-I) होगें, प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है।

3. प्रश्न क्र0–05 एवं प्रश्न क्र0–06 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-II) होगें, प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है।

4. प्रश्न क्र0–07 एवं प्रश्न क्र0–08 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है।

5. प्रश्न क्र0–09 एवं प्रश्न क्र0–10 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-II) होगें, प्रत्येक में 05 अंक निर्धारित है।